अनुक्रम

भूमिका *vii*
आशीर्वचन *xi*
कुछ भाव *xv*

स्वागत भाषण
प्रोफेसर सुमिता श्रीवास्तव 25
अध्यक्षीय व्याख्यान : भोजपुरी लोक गीत-संगीत में मानवीय संवेदना
डॉ. ज्योति सिन्हा 28
मुख्य व्याख्यान-1 : गढ़वाली लोक साहित्य की वर्तमान दशा
महीपाल सिंह नेगी 33
विशिष्ट व्याख्यान-2 : लोक साहित्य व संस्कृति के संरक्षण का महत्त्व
डॉ. संजीब सिंह नेगी 40

1. मुहावरों और कहावतों में जातीयता
डॉ. जयप्रकाश कर्दम 47
2. लोक साहित्य : अवधारणा और रूप-निर्धारण का परिप्रेक्ष्य
डॉ. हरीश कुमार सेठी 75
3. मिजोरम का लोक साहित्य
वीरेंद्र परमार 95
4. गढ़वाली औखाणों (लोकोक्तियों) में दलित
डॉ. संजीब सिंह नेगी 105
5. उत्तराखण्डीय लोकगीत साहित्य के संवाहक शिल्पकार समाज
डॉ. चंद्र प्रकाश 116

6. कुमाऊँनी लोककला और लोक कलाकार : परंपरा एवं प्रासंगिकता
डॉ. प्रीति आर्या-डॉ. बलदेव राम 124
7. लोक साहित्य एवं संस्कृतिः भारतीय संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में
सुरेश चंद्रा 134
8. ज्ञान के धरोहर बने केरल के लोकगीत
डॉ. सुमा एस 142
9. राजस्थानी लोक साहित्य में पर्यावरण चिंतन
डॉ. ममता खाण्डल 150
10. तमिलनाडु का लोक साहित्य : त्यौहार एवं विशेष पर्वों के सन्दर्भ में
प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर 155
11. लोकगीतों का संकट
विभा ठाकुर 166
12. लोक साहित्य का महत्त्व एवं प्रासंगिकता
डॉ. किरण अग्रवाल 172
13. 'सुल्ताना डाकू' नौटंकी की सामाजिक चेतना
अरुण कुमार 175
14. भारतीयता के संदर्भ में लोक साहित्य एवं संस्कृति
प्रदीप कुमार 189
15. गुरदयाल सिंह व फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों में लोकगीत : एक अध्ययन
प्रोफेसर हरदीप सिंह-सुनीता देवी 195
16. भक्तिकालीन राजस्थानी लोक साहित्य के आईने में जाम्भो जी
डॉ. अर्जुन सिंह 205
17. भोजपुरी और राजस्थानी संस्कार गीतों का अध्ययन
डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह 209
18. लोक द्वारा विस्मृत लोकगायिका कबूतरी देवी का इंटरव्यू
सुधीर कुमार 226
19. भोजपुरी लोकगीतों में रस और अलंकार
सुनीता 231

20. भाषा एवं संस्कृति के प्रसार में अनुवाद की भूमिका
श्री सुविद्य धारवाडकर 238
21. भोजपुरी संस्कृति और लोकगीतों में गंगा
सुरेश कुमार प्रजापति 243
22. असम के उजापालि नृत्य का संक्षिप्त परिचय
परीक्षित नाथ 251
23. रमेश कुंतल मेघ कृत विश्वमिथकसरित्सागर में वर्णित मिथकीय कथाओं का सांस्कृतिक अध्ययन
संजू कुमार 256
24. गढ़वाल के संस्कार गीत (मांगल)
डॉ. अर्चना रानी 275
25. लोक साहित्य सहेजता है लोकगाथाएँ
मेघना रॉय 281
26. लोक साहित्य : महत्त्व एवं प्रासगिकता
डॉ. प्रेमसिंह के. क्षत्रिय 285
27. क्रांतिकारी चेतना और उत्तराखण्ड के लोकगीत
डॉ. राम भरोसे 291
28. उत्तराखंड की लोकगायिका कबूतरी देवी की पुण्यतिथि पर विशेष
सुधीर कुमार 297
29. पंगवाली का मान्यता क्षेत्र और प्रयोग की चुनौतियाँ
सुदेश कुमारी-केवल राम 304
30. लोकनाट्य के मिथकपुरुष भिखारी ठाकुर
डॉ. अंगदकुमार सिंह 323
31. समकालीन हिंदी कविताओं में अभिव्यक्त लोकजीवन
बृजेश प्रसाद 331

तीन कविताएँ : *मोहन मुक्त* 339
संपादित लेखकगण : एक परिचय 343